# ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन म आयोजित सव धम सम्मेलन

**सामाजिक सदभाव के लिए आध्यात्मिकता का माग जरूरी-स्वामी योगी अमरनाथ**

**संतों का आह्वान सवधर्मों के लोग मिलकर बनाय नया समाज**

आबू रोड, 23 नवम्बर, निसं। समाज के सभी वर्गों के लोगों के सहयोग बिना एक बेहतर समाज की परिकल्पना कठिन है। सामाजिक सदभाव और शांति के लिए आध्यात्मिकता का माग जरूरी है। इससे ही समाज म समरसता आयेगी। उक्त विचार इन सच ऑफ पीस फाउण्डेशन ऋषिकेश के संस्थापक स्वामी योगी अमरनाथ ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन म आयोजित सव धम सम्मेलन म सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत देश म जब भी कभी मूल्यों का संकट आया है तब संत महात्माओं ने आध्यात्मिक शक्ति से मुक्ति दिलाने का महान काय किया है। जिससे नये समाज की स्थापना म महत्वपूण भूमिका निभायी है। उन्होंने संतों महात्माओं से आह्वान किया कि सभी को मिलकर बुराईयों से मुक्त भारत का निमाण करना चाहिए। जिसकी शुरूआत ब्रह्माकुमारीज संस्थान से प्रारम्भ हो गयी है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका रजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि राजयोग और ध्यान मनुष्य को आध्यात्मिक उंचाईयों की ओर ले जाता है। यही एक रास्ता है जो परमात्मा के समीप ले जायेगा जहॉ से मनुष्य अपना भाग्य बना सकता है। वतमान समय समाज और दुनिया की हालत तेजी से बदल रही है। ऐसे म तेजी से हो रहे मूल्यों की गिरावट को रोकना समय की मांग है। ऐसे म जरूरी है कि हम अपनी आन्तरिक स्थिति को बढ़ाय। इसके लिए राजयोग से बेहतर दूसरा कोई उपाय नहीं है।

अखिल भारतीय साध्वी शक्ति परिषद दिल्ली की उपाध्यक्ष श्री महंत साध्वी विभानन्द गिरी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान म माताओं बहनों ने यह सिद्ध कर दिया है कि परमात्मा ने भारत माता और वन्देमातरम क्यों कहा था। क्योंकि माताओं-बहनों से ही परमात्मा नयी दुनिया बनाने का महान काय कर रहे ह। ब्रह्माकुमारीज संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि जब हम अपने आप को जानगे तभी परमात्मा को पहचानगे। बिना परमात्मा के पहचान के जीवन म सकारात्मक बदलाव नहीं आ सकता है।

बेलगॉम के श्री राजचोटेश्वर महास्वामी ने कहा कि विश्व म समस्त मानवजाति केवल मूल्यों से ही जानी जाती है। वह मूल्य सिफ परमात्मा ने ही दिया है। जिससे जीवन म मनुष्य बदलाव कर सकगे। ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निवर ने कहा कि मनुष्य का जीवन महान कार्यों के लिए हुआ है इसलिए हमेशा श्रेष्ठ कम करना चाहिए।

कायक्रम म शांतिवन का कायक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, वेदान्ताचाय सिद्धपीठ भरतपुर के डॉ स्वामी कौशल किशोरदस जी महाराज, प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके रामनाथ, बीके मनोरमा समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

फोटो, 23एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5 कायक्रम का दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि, सभा म उपस्थित लोग, मंचासीन अतिथि।